

**दुकानदारी स्त्री.** (फा.) 1. दुकानदार का काम या भाव, चीजें बेचने का काम 2. किसी को ठगने के लिए तरह-तरह की बातें करना या लुभाना।

**दुकूल पुं.** (तत्.) कपड़ा, वस्त्र, पहनने का वस्त्र, रेशमी कपड़ा, बारीक व चिकना कपड़ा।

**दुकेला क्रि.वि.** (तद्.) जिसके साथ कोई अन्य भी हो, जो अकेला नहीं है, एक अन्य साथ वाला।

**दुक्का वि.** (तद्.) जो एक या अकेला न हो, एक साथ दो वस्तुएँ, जो एक साथ दो हो, एक जोड़े के रूप में दो पुं. दो बूटियों वाला ताश का पत्ता।

**दुक्की स्त्री.** (तद्.) दो बूटियों वाली ताश की पत्ती, दुग्गी।

**दुख पुं.** (तद्.) दे. दुःख मुहा. दुख का मारा-विपत्ति में पड़ा हुआ; दुःख का दूर भागना- दुख मिट जाना।

**दुखड़ा पुं.** (तद्.) विपत्ति, तकलीफ, दुःख का समाचार, तकलीफ भरी कहानी मुहा. दुखड़ा रोना- दुःख या कष्टों का हाल सुनाना।

**दुखना अ.क्रि.** (तद्.) दर्द होना, पीड़ा होना।

**दुखाना स.क्रि.** (तद्.) दुख देना, कष्ट पहुँचाना, व्यथा देना जैसे- जी दुखाना- मानसिक कष्ट देना, मन को दुख पहुँचाना, मर्मस्थान को छूने वाला दुख देना।

**दुखारी वि.** (तद्.) दुख से भरा जो दुख में हो, दुखकारी, खिन्न स्त्री. दुःख में रहने वाली स्त्री।

**दुखिया वि.** (तद्.) दुख में पड़ा व्यक्ति, दुःखी, दुःखित।

**दुखियारा वि.** (तद्.) 1. किसी दुःख से दुःखी, दुःखित 2. संकटापन्न 3. रोगी, पीड़ित।

**दुखी वि.** (तद्.) दुख से परेशान, जो दुःख में हो, जो कष्ट में पड़ा हो, बीमार, रोगी।

**दुगना वि.** (तद्.) दे. दुगुना।

**दुगुण वि.** (तद्.) दे. द्विगुण।

**दुगुना वि.** (तद्.) दूना, दोगुना, द्विगुणित, मूल रूप में कोई वस्तु जितनी है उतनी ही मात्रा में अधिक होने पर वह दुगुना होती है जैसे- दो का दुगुना चार।

**दुगून पुं.** (तद्.) दुगुना, दूना स्त्री. प्रारंभिक लय से दुगुनी गति वाली लय।

**दुग्ध पुं.** (तत्.) 1. दूध 2. पौधों या वृक्षों का रस जो सफेद रंग का अर्थात् दूध जैसा होता है वि. दुह लिया गया, दुहा हुआ, चूसा हुआ या बाहर निकाला हुआ (रस)।

**दुग्धकल्प वि.** (तत्.) जो दूध के समान हो, दुग्ध सम, दुग्ध सदृश आयु. दुग्धकल्प नाम की एक चिकित्सा, एक प्राकृतिक चिकित्सा जिसमें दूध का एक निश्चित अनुमाप के अनुसार क्रमशः घटाकर व बढ़ाकर उपयोग किया जाता है।

**दुग्धजनक वि.** (तत्.) दूध पैदा करने वाली पुं. प्राणि. स्तन्य-स्रवण कराने वाली औषधि या द्रव्य, जैसे- दुग्धजनक ग्रंथिया।

**दुग्धज्वर पुं.** (तत्.) दुधारू गायों आदि का रोग जिसमें ब्याने के बाद पशु अचेत हो जाता है और उसके पिछले भाग में लकवा हो जाता है।

**दुग्ध धवल वि.** (तत्.) दूध की तरह सफेद, दूध की तरह स्वच्छ और पवित्र।

**दुग्धमापी पुं.** (तत्.) दूध के घनत्व का मापन करके उसकी शुद्धता की मात्रा को परखने वाला उपकरण या यंत्र। lactometer

**दुग्धरोधक पुं.** (तत्.) दुग्ध निकलने या दुग्ध स्राव को रोकने या कम करने वाली औषधि या पदार्थ।

**दुग्धशर्करा स्त्री.** (तत्.) दूध से प्राप्त होने वाली चीनी (शर्करा)।

**दुग्धशाला स्त्री.** (तत्.) 1. जहाँ दुधारू पशु गाय, भैंस आदि का दूध निकालकर बेचा जाता है वह